पीएचडी की चाह फिर अधूरी

राज्य के स्टूडेंट्स को नहीं मिलेगा इग्नू से होने वाली पीएचडी का फायदा

नए बदलावों के आधार पर होने वाले पीएचडी प्रोग्राम से राज्य के स्टूडेंट्स खफा

डेली न्यूज, mix रिपोर्टर

जयपुर। लंबे इंतजार के बाद यूजीसी की ओर से इग्नू से फिर पीएचडी करने का मौका स्टूडेंट्स को दिया जा रहा है। यूजीसी के नए नियमों के आधार पर स्टूडेंट्स को मिलने वाला यह मौका राज्य के स्टूडेंट्स के लिए फायदेमंद साबित नहीं हुआ। इसका कारण राज्य के किसी भी सेंटर पर पीएचडी करने का मौका नहीं मिलना है। ऐसे में अब राज्य के स्टूडेंट्स को पीएचडी करने के लिए दिल्ली इग्नू से रजिस्टर्ड होना पड़ेगा। इसके साथ ही अब इग्नू से पीएचडी का प्रोसेस भी अन्य रेगुलर यूनिवर्सिटी की ओर से पीएचडी करने के बराबर ही होगा।

इंतजार के बाद भी नहीं मिली खुशी

गौरतलब है कि यूजीसी की ओर से 2009 में पीएचडी के नियमों को लेकर बदलाव किए गए थे। इन नियमों के आधार पर ओपन यूनिवर्सिटी को पीएचडी करवाने की इजाजत नहीं दी गई थी। ऐसे में पीएचडी की चाह रखने वाले स्टूडेंट्स को इससे निराशा हुई। हाल ही में यूजीसी की ओर से पीएचडी के नियमों को लेकर फिर से कुछ बदलाव किए गए हैं। इसके तहत इग्नू को भी पीएचडी प्रोग्राम ऑफर किए जाने की छूट दी गई। नियमों के अनुसार इग्नू अन्य रेगुलर यूनिवर्सिटी के नियमों के आधार पर ही स्टूडेंट्स को पीएचडी प्रोग्राम ऑफर कर सकता है।

राज्य को नहीं मिला एग्जाम सेंटर

इग्नू जयपुर के सहायक क्षेत्रीय निदेशक एवं प्रवेश प्रभारी कमलेश मीणा ने बताया कि पीएचडी के साथ ही एमफिल प्रोग्राम के लिए राष्ट्रीय प्रवेश परीक्षा का आयोजन 4 दिसंबर 2016 को होगा। इग्नू की यह परीक्षा देश के 13 शहरों में ही आयोजित होगी। इसमें बैंगलूरु, भोपाल, चंडीगढ़, चेन्नई, दिल्ली, गुवाहाटी, हैदराबाद, कोलकता, लखनऊ, मुम्बई, पटना और त्रिवेन्द्रम का नाम शुमार है। ऐसे में जयपुर के स्टूडेंट्स को इस एग्जाम में शामिल होने के लिए भी जयपुर से बाहर का रूख करना होगा।

ignou
THE PEOPLE'S UNIVERSITY

दिल्ली इग्नू सेंटर पर ही होगा रजिस्ट्रेशन

इग्नू की ओर से ऑफर होने वाले इस पीएचडी प्रोग्राम में स्टूडेंट्स को सिर्फ दिल्ली इग्नू सेंटर पर ही रजिस्ट्रेशन का मौका मिलेगा। इसमें छह माह के लिए कोर्स वर्क के लिए स्टूडेंट्स को दिल्ली ही रहना होगा। इसके साथ ही स्टूडेंट की अटेंडेंस 75 फीसदी होनी भी जरूरी होगी। ऐसे में साफ जाहिर है कि ओपन लर्निंग का मौका देने वाली इग्नू से बगैर रेगुलर क्लास अटैंड करे कोई भी कोर्स तो किया जा सकता है, लेकिन पीएचडी नहीं की जा सकती हैं। इससे पीएचडी के लिए स्टूडेंट्स को साल में कम से कम छह माह दिल्ली रहना होगा। हालांकि इग्नू की ओर से पीएचडी के टाइम ड्यूरेशन को लचिला रखा गया है। ऐसे में इग्नू से स्टूडेंट्स को चार से छह साल के बीच में पीएचडी पूरी करने का मौका मिलेगा।

Tue, 27 September 2016
dailynewsnetwork.epapr.in/c/13517425

इग्नू से पीएचडी-एमफिल के लिए अधिसूचना जारी

जयपुर,(कासं)। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, शोध इकाई ,नई दिल्ली ने डॉक्टर ऑफ़ फिलॉसफी (पीएचडी) और मॉस्टर ऑफ़ फिलॉसफी (एमफिल) पाठ्यक्रमों के लिए जनवरी 2017 सत्र में प्रवेश के लिए अधिसूचना जारी की है। इग्नू क्षेत्रीय केंद्र जयपुर के सहायक क्षेत्रीय निदेशक एवं प्रवेश प्रभारी कमलेश में ने बताया कि आवेदन केवल ऑनलाइन ही स्वीकार किए जाएंगे, जिसके लिए इग्नू वेबसाइट से विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सकती है। प्रवेश के लिए आवेदन शुल्क के रूप में एक हजार रुपए देय होंगे। आवेदन की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर है। एमफिल पीएचडी पाठ्यक्रमों के लिए राष्ट्रीय प्रवेश परीक्षा का आयोजन 4 दिसम्बर को देश में 13 जगह पर आयोजित की जाएगी। इग्नू की यह परीक्षा जिन शहरों और केंद्रों पर होगी उनमें बैंगलोर, भोपाल, चंडीगढ़, चेन्नई, दिल्ली, गुवाहाटी, हैदराबाद, कोलकता, लखनऊ मुम्बई, पटना और त्रिवेंद्रम शामिल हैं। परीक्षा उत्तीर्ण छात्र-छात्रों को साक्षात्कार के लिए बुलाए जाएंगे।

आवेदन 31 अक्टूबर तक ऑनलाइन ही होंगे

www.dailynews360.com

इग्नू ने जारी की अधिसूचना

राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा से होगा पीएच.डी.-एमफिल में दाखिला

ब्यूरो/नवज्योति, जयपुर

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) में पीएच.डी. और एमफिल की पढ़ाई इस साल से शुरू होगी। इन दोनों कोर्सेज में दाखिला राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा के माध्यम से होगा। इग्नू में लंबे समय बाद इन कोर्सेज की पढ़ाई नहीं हो रही थी, जो अब फिर से शुरू होगी। इससे पहले इग्नू सहित अन्य ओपन यूनिवर्सिटीज में शिकायतों के चलते विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने रोक लगा दी थी, लेकिन हालाही में रोक हटा दी है। इसके बाद इग्नू ने एक बार फिर प्रवेश की तैयारी शुरू कर दी है।

यह होगी प्रक्रिया

इग्नू ने जनवरी 2017 सत्र में प्रवेश के लिए अधिसूचना जारी कर दी है। इसमे पीएच.डी. और एमफिल कोर्स को भी शामिल किया गया। दाखिले की प्रक्रिया के तहत ऑनलाइन आवेदन किए जाएंगे। इस संबंध में इग्नू की वेबसाइट पर पूरी जानकारी अपलोड कर दी गई है। आवेदन शुल्क 1000 रुपए होगी और 31 अक्टूबर तक आवेदन कर सकते है।

4 दिसम्बर को होगी परीक्षा

पीएच.डी.और एमफिल मे दाखिले के लिए राष्ट्रीय प्रवेश परीक्षा 4 दिसम्बर देश के 13 राज्यो मे आयोजित की जाएगी। इसके बाद सफल छात्र-छात्रो को साक्षात्कार के लिए बुलाया जाएंगे। इसमे सफल अभ्यर्थियो का छह माह का कोर्स वर्क होगा। यह परीक्षा इग्नू द्वारा संचालित 21 स्कूल के 35 विषयो मे पीएचडी और 7 विषयो मे एमफिल के लिए होगी।

योग्यता के दायरे

पीएच.डी.-एमफिल मे दाखिले के लिए सामान्य वर्ग के विद्यार्थियो की मास्टर्स डिग्री मे कम से कम 55 प्रतिशत अंक होना जरुरी है। इसके साथ ही एसी, एसटी, ओबीसी और पीडब्ल्यू वर्ग के विद्यार्थियो की मास्टर्स कोर्स मे 50 फीसदी अंक होने पर आवेदन कर सकते है।

> इग्नू मे पीएच.डी और एमफिल कोर्स की पढाई होगी। इसके लिए इग्नू ने पूरी तैयारी कर ली है।
>
> -कमलेश मीना, क्षेत्रीय सहायक निदेशक और प्रवेश प्रभारी, इग्नू

पहलू यह है कि अभिनेत्रियों को लगातार आंका जाता है।

इग्नू स्टूडेंट्स को ऑफर होगी एमएनसी में जॉब्स

यूनिवर्सिटी की ओर से राजस्थान में आयोजित होगा जॉब फेयर

जयपुर आएंगी कई इंश्योरेंस और आईटी कंपनियां

डेली न्यूज, mix रिपोर्टर

जयपुर। इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी (इग्नू) की ओर से इग्नू स्टूडेंट्स के लिए जॉब अपॉर्च्यूनिटीज ऑफर की जा रही है। इसके तहत इग्नू की ओर से कई राज्यों में जॉब फेयर का आयोजन किया जा रहा है। राजस्थान के लिए गुड न्यूज यह है कि इग्नू की ओर से प्रदेश में अक्टूबर माह में जॉब फेयर ऑर्गेनाइज किया जाएगा। इसमें अंडरग्रेजुएट और पोस्टग्रेजुएट प्रोग्राम के स्टूडेंट्स को भाग लेने का मौका मिलेगा। जॉब फेयर का आयोजन जयपुर रीजनल सेंटर के अंडर किया जाएगा। इग्नू जयपुर सेंटर के असिस्टेंट रीजनल डायरेक्टर कमलेश मीणा ने बताया कि 23 सितंबर को दिल्ली में जॉब फेयर का आयोजन किया जा रहा है, इसके बाद अगला प्रोग्राम राजस्थान में आयोजित होगा। इस प्रोग्राम में आईटी और इंश्योरेंस की मल्टी नेशनल कंपनियां (एमएनसी) कई कंपनियां शामिल होंगी।

स्टेट के स्टूडेंट्स को मिलेगा मौका

जॉब फेयर के दौरान राज्य के 33 जिलों के इग्नू स्टूडेंट्स को जॉब फेयर में शामिल होने का मौका मिलेगा। जयपुर और जोधपुर रीजनल सेंटर में आने वाले सभी 33 जिलों में एनरॉल्ड स्टूडेंट्स को इस जॉब फेयर में शामिल होने का मौका इग्नू जयपुर रीजनल सेंटर की मेजबानी में दिया जाएगा। इग्नू सेंटर से मिली जानकारी के अनुसार राजस्थान में जुलाई 2016 सेशन के लिए प्रदेश के दोनों रीजनल सेंटर में कुल 5285 स्टूडेंट्स एनरॉल्ड हुए हैं। इस सेशन से पूर्व में (जून 2016) जिन स्टूडेंट्स को डिग्री मिल चुकी है, वही स्टूडेंट्स इस जॉब फेयर प्रोग्राम में शामिल हो सकेंगे।

इन प्रोग्राम पर किया जा रहा है फोकस

इग्नू की ओर से पिछले पांच सालों में करीब पचास हजार स्टूडेंट्स विभिन्न प्रोग्राम में पासआउट हुए है। इग्नू ऑफिशल्स का कहना है कि इन प्रोग्राम्स में से सलेक्टेड प्रोग्राम के स्टूडेंट्स को जॉब फेयर में शामिल होने का मौका दिया जा रहा है। अगले महीने होने वाले इस जॉब फेयर में बीए, बीसीए, बीकॉम, बीएससी, बीटीएस, बीएसडब्ल्यू, एमईजी, एमकॉम, एमसीए आदि प्रोग्राम के स्टूडेंट्स भाग ले सकेंगे। इस प्रोग्राम के करीब दो हजार स्टूडेंट्स को जॉब फेयर की जानकारी देकर शामिल होने का मौका दिया जाएगा।

Fri, 23 September 2016
dailynewsnetwork.epapr.in/c/13413328

दैनिक भास्कर

जयपुर, गुरुवार 15 सितंबर, 2016 | 7

इग्नू के क्षेत्रीय कार्यालय में मनाया हिंदी दिवस

जयपुर। इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी, इग्नू के क्षेत्रीय कार्यालय में बुधवार को हिंदी दिवस मनाया गया है। इस दौरान आयोजित कार्यक्रम में निदेशक से लेकर लगभग सभी अधिकारियों ने तय किया है कि फाइल पर अधिकाधिक हिंदी में टिप्पणी लिखेंगे और विभाग संबंधित आदेश भी हिंदी में जारी करेंगे। हिंदी दिवस का इग्नू में पखवाड़ा भी मनाया जाएगा। निदेशक डा. एम.के. दास ने कहा कि हिंदी के उपयोग से जनता में संबंध मजबूत होंगे। सहायक क्षेत्रीय निदेशक डॉ राममूर्ति मीणा ने कहा कि हिंदी हमारी मातृ भाषा है। जिस तरह से हमें अपनी मां पर गर्व है, ठीक हिंदी के उपयोग पर उसी तरह गर्व करना होगा।

15 तक प्रवेश तिथि बढ़ाई

हनुमानगढ़। इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के दिसम्बर 2016 एवं आगामी वर्ष जून 2017 में आयोजित की होने वाली परीक्षा के लिए बीपीपी कोर्स को छोड़कर बाकी समस्त पाठ्यक्रमों में आवेदन के लिए अंतिम तिथि 15 सितम्बर तक बढ़ा दी गई है। राजकीय नेहरु मेमोरियल महाविद्यालय, टाउन के इग्नू अध्ययन केन्द्र सह समन्यक छत्रसाल सिंह राघव ने बताया कि इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के तहत बीपीपी कोर्स को छोड़कर समस्त पाठ्यक्रमों में आवेदन के लिए अंतिम तिथि 15 सितम्बर की गई है। उन्होंने इच्छुक छात्र-छात्राओं को अपने अध्ययन केन्द्र पर या इग्नू की वेबसाइट पर निर्धारित दिवस तक आवेदन करने को कहा है।

सीमा सन्देश Sun, 04 September 2016
www.readwhere.com/c/12975348

अपडेट

सात साल पुरानी रोक हटी, अब इग्नू से भी अभ्यर्थी कर सकेंगे पीएचडी

इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी (इग्नू) में पीएचडी और एमफिल के लिए फॉर्म मिलने शुरू हो चुके हैं। 2009 की रोक के बाद यूजीसी ने इग्नू को इस सेशन से फिर से पीएचडी शुरू करने की इजाजत दी है। पीएचडी में एनरोल होने के लिए एंट्रेंस टेस्ट होगा, फॉर्म भरने की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर है। एंट्रेंस टेस्ट 4 दिसंबर को होगा। पीएचडी एंट्रेंस के लिए फॉर्म ऑनलाइन भरे जा सकेंगे।

यूनिवर्सिटी 34 सब्जेक्ट्स के लिए पीएचडी ऑफर कर रही है। इनमें हिंदी, इंग्लिश, जियोग्राफी, पॉलिटिकल साइंस, हिस्ट्री, साइकॉलोजी, इकनॉमिक्स, लॉ, कॉमर्स, जिओलॉजी, एंथ्रोपॉलॉजी शामिल हैं। इनके अलावा साइंस में केमिस्ट्री, फिजिक्स, लाइफ साइंस, बायोकेमिस्ट्री, कंप्यूटर साइंस, सिविल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग शामिल हैं। सोशल वर्क, फूड ऐंड न्यूट्रिशन, जर्नलिज्म ऐंड मास कम्यूनिकेशन, नभी इस लिस्ट में हैं। एमफिल में 7 सब्जेक्ट्स का ऑप्शन है।